हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 25 कांगड़ा। शनिवार, 19 अक्तूबर-25 अक्तूबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 04 कार्तिक, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

अहोई अष्टमी व्रत

-पढ़ें पेज 4

रमा एकादशी

रमा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है...

हिंदू धर्म में रमा एकादशी हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। रमा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। इस दिन भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और भजन-कीर्तन करते हैं। रमा एकादशी एक पवित्र व्रत है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है।

पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 27 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 28 अक्टूबर को सुबह 07 बजकर 50 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, रमा एकादशी का व्रत 28 अक्टूबर दिन दिन सोमवार को किया जाएगा। रमा एकादशी के अगले दिन यानी 29 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 31 मिनट से लेकर 10 बजकर 31 मिनट के मध्य पारण किया जा सकता है।

रमा एकादशी पूजा विधि

- रमा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर साफ कपड़े धारण करें
- फिर घर के मंदिर की साफ-सफाई करें और एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं।
- चौकी पर दीपक जलाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा स्थापित करें।
- भगवान विष्णु की मूर्ति का गंगा जल से अभिषेक करें।
- श्री हरि को पुष्प, फल और तुलसी दल अर्पित करने के बाद व्रत का संकल्प लें।
- अंत में आरती करके भोग लगाएं और पूजा का समापन करें।
- पूजा खत्म होने के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न और प्रसाद वितरित करें।

■ पं. कुलदीप शास्त्री